The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-1, April-2023
www.theresearchdialogue.com

अमरोहा जिले में बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

कु0 सोनम
शोध छात्रा, एन0के0बी0एम0जी0 पी0जी0 कालेज, चन्दौसी (सम्भल) उ0प्र0

श्रीमती अन्जुली अग्रवाल
अस्टिेंट प्रोफेसर (एम0एड0 विभाग) एन0के0बी0एम0जी0 पी0जी0 कालेज, चन्दौसी (सम्भल) उ0प्र0

सारांश

साइबर अपराध एक ऐसा अपराध है जिसमें कम्प्यूटर और नेटवर्क शामिल है। इसमें कई प्रकार के अपराध शामिल होते है। इस अध्ययन का उद्देश्य बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता का पता लगाना है। इस अध्ययन में अमरोहा जिले के बी0एड0 के 96 छात्र–छात्राओं का यादृच्छिक विधि से चयन किया है। प्रस्तुत शोध कार्य के लिए शोधार्थी ने डा0 एस0 राजशेखर द्वारा निर्मित साइबर क्राइम अवेयरनेस स्केल का प्रयोग किया गया है तथा पाया गया कि साइबर अपराधों के प्रति जागरूक्ता में बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तावना

इण्टरनेट प्रयोग करने वालों के लिए साइबर अपराध बहुत ही जाना सुना नाम है लेकिन क्या आप जानते है कि ये साइबर अपराध क्या है और साइबर अपराध के प्रकार क्या है? जब इण्टरनेट का विकास किया गया तब शायद ही इसके निर्माणकर्ताओं को ये पता होगा की इस इण्टरनेट का गलत इस्तेमाल भी किया जा सकता है। जैसे कि अपराधिक गतिविधियों के लिए इस इण्टरनेट या साइबर स्पेस में जो भी अपराध होते है उन्हें साइबर अपराध कहा जाता है। इसकी बेनाम प्रकृति के कारण ही आपराधिक गतिविधियों की शुरूआत होती है और ऐसे लोग जिनकी थोड़ी ज्यादा वुद्धि लब्धि होती है वो इण्टरनेट का गलत इस्तोमल

करते है। साइबर क्राइम का क्षेत्र दिन प्रतिदिन उभर रहा है और आपराधिक गतिविधि के कई नए तरीके साइबर स्पेस में दिखाई पड़ रहे है।

ऐसे में प्रत्येक इण्टरनेट प्रयोग करने वाले को इन साइबर अपराधों के विषय में जानकारी रखना अति आवश्यक है क्योंकि वो कहते है न की जानकारी में ही समझझारी है माना कि इण्टरनेट का लोगों को जोड़ने में बहुत बड़ा योगदान है लेकिन इसके साथ कई प्रयोगकर्ता साइबर अपराधों जैसे कि हैकिंग, थ्रैफ्ट, आइडिन्टीटी थ्रैफ्ट और मैलिसियस साफ्टवेयर का शिकार बन रहे हैं इसलिए इन सब से बचने के लिए आपको और आपके डाटा या आपकी सूचनाओं को सुरक्षित करना सबसे जरूरी है। इन अपराधों की व्यापक वृद्धि वैश्विक चिंता का विषय बन गई तथा अपराध एक नई चुनौती के रूप में विश्व भर के सामने आए है। यह अपराध अजीब है अपराधी शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना गुमनाम रूप से और पीड़ित से बहुत दूर रहकर अपराध कर देता है। यह साइबर अपराधी पकड़े जाने के भय के बिना दूर से ही अपराध को कारित कर देते है। इन अपराधो में संचार, सेवाओं की चोरी, औद्योगिक जासूसी, साइबर स्पेस में अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री का प्रसार, इलैक्ट्रॉनिक मनी लान्ड्रिंग और कर चोरी, इलेक्ट्रानिक क्रूरता, आतंकवाद और जबरन वसूली जैसी अवैध कम्प्यूटर से संबंधित वसूली जैसी अवैध कम्प्यूटर से संबंधित गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है इसके साथ ही इसमें टेली मार्केटिंग धोखाधड़ी, टेली संचार का अवैध अवरोधन भी शामिल है। साइबर अपराध एक गैर कानूनी कार्य है जिसमें कम्प्यूटर या तो एक उपकरण या लक्ष्य है या दोनों साइबर अपराध में आपराधिक गतिविधियों की एक विस्तृत विविधता शामिल है।

कम्प्यूटर डेटा या सिस्टम, कम्प्यूटर की गोपनीयता अखण्डता और उपलब्धता संबंधित अपराध सामग्री संबंधी अपराध कॉपीराइट संबंधी अपराध सभी इसमें शामिल है।

समस्या कथन

''अमरोहा जिले में बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन''

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

हम तेजी से बढ़ती डिजिटल दुनिया में रह रहे हैं और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम खुद को साइबर सुरक्षा के बारे में शिक्षित करें। साइबर सुरक्षा हम सभी से शुरू होती है और यह किसी भी साइबर हमले के खिलाफ हमारा सबसे बड़ा हथियार और सबसे अच्छा बचाव है। समस्या का महत्व यह भी कि कि साइबर अपराध जागरूक्ता का पता लगाकर हम इससे होने वाली हानि से बच सकते हैं तथा इसकी उचित जानकारी से टैक्नोलाजी प्रयोग कैसे करें यह सीख सकते हैं।

अध्ययन का उद्देश्य

1. बी0एड0 की छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता का अध्ययन करना।
2. बी0एड0 के छात्रों में साइबर अपराध जागरूकता का अध्ययन करना।
3. बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध अध्ययन की परिकल्पना

बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन की परिसीमांकन

1. इस अध्ययन की क्षेत्रीय सीमा अमरोहा जिले तक रखी गयी है।
2. प्रस्तुत शोध समय की न्यूनता के कारण केवल स्ववित्तपोषित बी0एड0 के द्वितीय वर्ष के छात्र एवं छात्राओं तक ही सीमित रखा गया है।
3. इस अध्ययन को अमरोहा जिले के बी0एड0 द्वितीय वर्ष के कुल 96 विद्यार्थियों पर किया गया है।

अध्ययन की विधि

प्रस्तुत लघु शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोधकार्य में अमरोहा जिले के 2 विद्यालयों के 96 छात्र एवं छात्राओं को प्रतिदर्श के रूप में चयनित किया गया है। जिसमें से 48 छात्र एवं 48 छात्राएं हैं।

प्रस्तुत लघु शोध कार्य में न्यादर्श का चयन करने के लिए यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी ने डॉ0 एस0 राजशेखर द्वारा निर्मित साइबर क्राइम अवेयरनेस स्केल का प्रयोग किया है।

तथ्यों की व्याख्या एवं विश्लेषण

बी0एड0 की छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता का अध्ययन करना।

छः श्रेणियों में छात्राओं की संख्या

छात्राओं की कुल संख्या	उत्कृष्ट जागरूकता	उच्च जागरूकता	औसत जागरूकता से ऊपर	औसत जागरूकता	औसत जागरूकता से कम	कम जागरूकता
48	14	17	09	07	01	0

उपर्युक्त तालिका से ज्ञात होता है कि चयनित छात्राओं की संख्या 48 है जिसमें से 14 छात्राएं उत्कृष्ट जागरूकता स्तर में, 17 छात्राएं उच्च जागरूकता स्तर में 09 छात्राएं औसत जागरूकता से ऊपर, 07 औसत जागरूकता में, 01 औसत जागरूकता से कम तथा कम जागरूक्ता स्तर पर 1 भी छात्रा नहीं आती है इस तालिका से ज्ञात होता है किस स्तर पर कितनी छात्राएं आती है।

बी0एछ0 छात्रों में साइबर अपराध जागरूकता का अध्ययन करना

छः श्रेणियों में छात्राओं की संख्या

छात्राओं की कुल संख्या	उत्कृष्ट जागरूकता	उच्च जागरूकता	औसत जागरूकता से ऊपर	औसत जागरूकता	औसत जागरूकता से कम	कम जागरूकता
48	16	12	10	08	02	0

उपर्युक्त तालिका से ज्ञात होता है कि कुल चयनित छात्रों की संख्या 98 है जिसमें 16 छात्र उत्कृष्ट जागरूकता में, 12 छात्र उच्च जागरूकता स्तर पर, 10 छात्र औसत जागरूकता से ऊपर, 08 छात्र औसत जागरूकता स्तर पर, 02 छात्र औसत जागरूक्ता से कम तथा कम जागरूकता में एक भी छात्र नहीं आता है। इस तालिका से ज्ञात होता है कि किस स्तर पर कितने छात्र आते है।

बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रतिदर्श ृ;द्व	संख्या ;छद्व	मध्यमान ;डद्व	मानक विचलन ृ;ण्क्ण्द्व	अन्तर मध्यमान	σक	टी मूल्य	निष्कर्ष
छात्रायें	48	134.33	11.45	3.25	2.35	1.31	0.01= 2.63
छात्र	48	131.08	11.95				0.05 = 1.98

निष्कर्ष

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि गणना करने पर टी मूल्य मात्र 1.38 है जोकि 0.01 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक मान 2.63 से कम हैं तथा 0.05 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक मान 1.98 से भी कम है इसलिए यह अन्तर सार्थक नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। इस प्रकार हम कह सकते है कि जो अन्तर है वह दिखाई देता है लेकिन वास्तव में वह अन्तर है नहीं। अतः हम कह सकते है कि छात्र एवं छात्राओं में साइबर क्राइम के प्रति जागरूक्ता में समानता है।

निष्कर्ष विवेचन

अध्ययन का उद्देश्य बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना था। अध्ययन के फलरूवरूप पाया गया कि सार्थकता ज्ञात करने पर छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है अतः कहा जा सकता है कि छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता समान है।

शैक्षिक महत्व

प्रस्तुत अध्ययन में शैक्षिक महत्व के बारे में विचार करना आवश्यक है शोध अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता लाने के लिए उनको टैक्नोलॉजी प्रयोग करने के अवसर देने होंगे जब छात्रों को टैक्नोलॉजी के प्रयोग के अवसर मिलेंगे तो वे इसके गुण एवं दोषों के विषय में जानकारी प्राप्त कर पायेंगे तथा इसके प्रति जागरूक होंगे। प्रस्तुत लघु शोध के निष्कर्ष के आधार पर छात्रों एवं छात्राओं को साइबर अपराध जागरूकता के प्रति सजग किया जा सकता है।

इस प्रकार अध्ययन का शैक्षिम महत्व यह होगा कि छात्र एवं छात्राएं साइबर अपराध जागरूकता के द्वारा ही टैक्नोलॉजी के द्वारा होने वाली हानि से बच सकते है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

ए स्टडी ऑन अवेयरनेस ऑफ साइबर क्राइम एमांग टीचर ट्रेनीज इन अदिल्लईचेन्नई गर्वरमेंट टीचरस कालेज, जनरनल्स ऑफ सोसल वेल्फेयर एण्ड मैनेजमेंट वाल्यूम (10) नम्बर–1, जनवरी–मार्च 2018

अग्रवाल, अंजुली (2015) ए स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ रिस्क टेकिंग बिहेवियर ऑन दा एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ सीनियर सेकेण्ड्री स्टूडेन्स

साइबर क्राइम अवेयरनेस एमांग स्टूडेन्ट्स टीचर ऑफ बी0एड0 इन रिलेशन टू इण्टरनेट यूसेज बाइ योडीडा भूतिया एण्ड इवाहुलांग आर पास, ऑनलाइन आई0एस0एस0एन0 2231–458 एक्स

चौधरी, मेनका डी (2020) साइबर क्राइम अवेयरनेस एमांग हायर एजूकेशन स्टूडेन्ट्स फ्रॉम हरियाणा विद रेस्पैक्ट टू वेरियस डेमोग्राफिकल वेरियेबलस प्लार्चस जनरल ऑफ आरक्यिोलोजी ऑफ इजिप्ट/इजिप्टयोलॅजी 17(7), आई0एस0एस0एन0 1567–214

गुप्ता, अल्का एण्ड गुप्ता एस0पी0 मार्डन मेजरमेंट एण्ड इवेलवेशन, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद, संस्करण 2013

गुप्ता एस0पी0 रिसर्च इन्टारोडक्टरी कन्सेप्ट्स, मेथड्स एण्ड टेक्नीक्स, 2014

जेलील ए0एम0 (मार्च 2018) ए स्टडी ऑन अवेयरनेस ऑफ साइबर क्राइम एमांग टीचर ट्रेनीज इन अदिल्लइचेन्नई गर्वमेंट टीचर्स कालेज, जरनल ऑफ सोशल वेल्फेयर एण्ड मैनेजमेंट वाल्यूम 10 नम्बर

जोशी अनीता एण्ड कन्डपाल सोनाली (2020) साइबर क्राइम अवेयरनेस एमांग एडोल्सेन्ट्स एन इण्टरनेशनल ओपन एक्सेज, पीयर रीव्यूड, रीफरड जर्नल आई0ए0एस0एन0 2320–2882

लीलीनथ्रल जी0 एण्ड अहमद एन0 (2015) साइबर अटैक एण्ड इनवाइटेबल किनेटिक वार, कम्प्यूटर लॉ एण्ड सिक्योरिटी रिव्यू, 31 (3) 390–400

मॉरटिस लोयड्, प्रदीप एण्ड अर्जुन (2018) साइबर क्राइम अवेयरनेस एमांग यूथ इन यूदूपी डिस्ट्रीक्ट जर्नल ऑफ फारगिन साइंस एण्ड क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन वॉल (8) इस्यू 5

मॉली प्रशांत, सोधी जे0एस0 सिंह त्रिवेणी, एण्ड बंसल संजीव (2018) एनालाइजिंग दा अवेयरनेस ऑफ साइबर क्राइम एण्ड डिजाइनिंग ए रेलिवेंट फ्रेमवर्क विद रेस्पैक्ट टू साइबर वैलफेयर, एन इम्पीरिकल स्टडी, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी (आई0जे0एम0ई0टी0) पी0पी0 110–124

परमार, अनिरूद्ध एण्ड पटेल, कुन्तल (2016) क्रिटिकल स्टडी एण्ड एनालइजिस ऑफ साइबर लॉ अवेयरनेस एमांग दा नेटिजिन्स

पॉल पुनीता एस0, मनीमेकलाई के0 एण्ड वीरामणी पी0 (2020) स्ट्रेटीजीस टू प्रीवेन्ट एण्ड कन्ट्रोल ऑफ साइबर क्राइम अगेन्ट्स वोमेन एण्ड गर्ल्स इण्टरनेशनलस जर्नलस ऑफ इनोवटिव टेक्नालॉजी एण्ड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग वी0 (9), इस्यु 3

इसमेलोवा रीता, मुहमेतजनोवा गुलशत (2019) साइबर क्राइम रिस्क अवेयरनेस रेट एमांग स्टूडेंट्स इन सेन्ट्रल एशिया, ए कम्प्रेटिव स्टडी इन कजाकिस्तान इन्फारमेसन सिक्योरिटी जर्नल, ए ग्लोबल परसेप्ट्विव वॉल 28 इस्यु 4–5

श्रीवास्तव, डी0एन0 रिसर्च मेथेड्स

सेल्वन, एन0 (2019) फेसबर्किंग एक्प्लोरिंग स्टूडेंट्स एजूकेशन रिलेटिड यूज ऑफ फेसबुक लर्निंग मिडिया एण्ड टेक्नालॉजी 34(2) : 157–174

शर्मा, आर0ए0 फण्डामेन्टल्स ऑफ एज्यूकेशनल रिसर्च एण्ड स्टेटिक्स, मेरठ, लोयल

सिंगरावेलु एस0 एण्ड पिल्लई, पी0के0एस0 (2014) बी0एड0 स्टूडेंट्स अवेयरनेस ऑन साइबर क्राइम इन परमबालबुर डिस्ट्रिक्ट इण्टरनेशनल जर्नलस ऑफ टीचर एज्यूकेशनल रिसर्च (आई0जे0टी0ई0आर0) (3) 37–40

सिंह, बलवीर एण्ड जागलन आई0 (2015) स्टडी ऑफ साइबर क्राइम अवेयरनेस एमांग परसेप्टिव टीचर्स, अरहट मल्टीडिसिपलिनरी इण्टरनेशनल एज्यूकेशन रिसर्च जर्नलस 4(1) : 63–68

श्री हरि, ए0 (2018) ए स्टडी ऑफ अवेयरनेस ऑफ साइबर क्राइम एमांग कालेज स्टूडेन्ट्स विद सोशल रेफरेन्स टू कोची, इण्टरनेशल जर्नलस ऑफ प्योर एण्ड एप्लाइज मेथमेटिक्स वाल (119) नं0–16

सुन्दर, प्रेम (2018) ए कम्प्रेटिव स्ट्डी ऑफ दा अवेयरनेस ऑफ टीचर्स टूवार्ड्स साइबर क्राइम इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्सइ रिसर्च एण्ड डेवलनपमेंट वाल (3) इस्यु 1

सिंह, रोमा एण्ड शर्मा, अपेक्षा (2019), ए स्टडी ऑफ साइबर लॉ अवेयरनेस इन हायर सेकेण्ड्री लेवल्स स्टूडेन्ट्स ऑफ रूरल एण्ड अरबन एरियाज इन जयपुर डिस्ट्रिक्ट रिव्यू ऑफ रिसर्च, वॉल 8, इस्यु 8

उर्मिला, जी0 (2014), अवेयरनेस एमांग बी0एड0 टीचर्स ट्रेनिंग टुवर्ड्स साइबर क्राइम ए स्टडी एन इण्टरनेशनल जर्नलस ऑफ एज्युकेशनल एण्ड सोशल डेवलपमेंट, एस (2 एण्ड 3) 107–117

विजय एम0, कुमार नवनीत एण्ड बालाजी नारायण (2019) साइबर क्राइम अवेयरनेस एमांग कालेज स्टूडेन्ट्स इन मंगलौर जर्नल्स ऑफ फारेनिसक साइंस एण्ड क्रिमिनल इनवेस्टीगेशन वाल–12, इस्यु 1

विपुल, पी0 (2013) मीडिया रोल इन क्रिएटिंग अवेसरनेस एबाउट साइबर क्राइम इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट इन टेक्नानालाजी एण्ड मैनेजमेंट साइंस (9) 25

वॉल, डी0एस0 (2007) साइबर क्राइम दा ट्रांसफारमेशन ऑफ क्राइम इन दा इन्फारमेशन एज क्राइम एण्ड सोसाइटी सिरीज केम्ब्रिज पॉलिटी प्रेस

यादव, एस0 श्री एण्ड अरोरा (2013) साइबर क्राइम ए रिसर्च पेपर, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एण्ड एंजीनियंरिग रिसर्च 4(8) : 856–861

योगल, जे0 (2013), ए स्टडी ऑन साइबर क्राइम एण्ड सिक्योरिटी सिनेरियो इन इण्डिया इण्टरनेशनल जर्नलस ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट रिसर्च 3(3) : 13–18

सम्बन्धित किताबें

अग्रवाल, आर0एन0 मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्वितीय संस्करण

भटनागर ए0बी0, अधिगमकर्ता का विकास एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, आर0 लाल बुक डिपो मेरठ, संस्करण 2013

गुप्ता, एस0पी0, उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद, नवीन संस्करण 2014

गुप्ता, एस0पी0 आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद, संस्करण 2013

कपिल, एच0के0 अनुसंधान विधियाँ (व्यवहार परक विज्ञानों में) 11वां संस्करण 2001, हर प्रसाद भार्गव बुक हाउस, आगरा।

लाल, रमन बिहारी, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय सिद्धान्त, रस्तौगी पब्लिकेशन, मेरठ संस्करण 2013

पाठक, पी0डी0, शिक्षा के सामान्य सिद्धान्त,, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

शर्मा, आर0ए0, शिक्षा अनुसंधान के मूलतत्व एवं शोध प्रक्रिया संस्करण 2011, आर0 लाल बुक डिपो मेरठ

सिंह, गया शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ, आर0 लाल बुक डिपो मेरठ, संस्करण 2013

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-1, April-2023
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number-April-2023/29

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

कु0 सोनम एवं श्रीमती अन्जुली अग्रवाल

for publication of research paper title

अमरोहा जिले में बी0एड0 के छात्र एवं छात्राओं में साइबर अपराध जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-01, Month April, Year-2023.

Dr.Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr.Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com